



DR. S. C. JAMIR

Dr. S. C. Jamir is one of the founders of the State of Nagaland and the sole living signatory to the Sixteen Point Agreement with the Prime Minister of India Late Jawaharlal Nehru and his team in 1960 on the basis of which the state of Nagaland within Indian Union was created.

2. Born on 17th October, 1931, Dr. Jamir received both B.A. and LL.B degrees from Allahabad University in 1958. He was Joint Secretary of the Naga Peoples Convention formed by 16 tribes of Nagaland in 1957 to restore peace and normalcy and ultimately worked out a political memorandum known as the Sixteen Point Memorandum which was the basis of negotiation in 1960.

3. Dr. Jamir was a member of the Interim Body of Nagaland and then elected as the first Lok Sabha Member to represent Nagaland in the Indian Parliament in 1961. He was Parliamentary Secretary to Pandit Jawaharlal Nehru and Deputy Minister under Smt. Indira Gandhi. He has served as Chief Minister of Nagaland four times. He steadfastly stood for the unity and integrity of India and on account of this the Naga hostiles, who are fighting for separation from India, had four time assassination attempts on his life and even now he is carrying a bullet of the hostile in his body.

4. Dr. Jamir served as Governor of Goa, Maharashtra, Gujarat and Odisha. He was also member of the Congress Working Committee for many years. As chancellors of the states he served, he had reformed selection of Vice Chancellors whereby making selection of the Vice Chancellor transparent. Appointments of Vice Chancellors was purely on merits.

5. Dr. Jamir has received many awards from private Institutions and Organizations. He was conferred Doctorate (Honorary Causa) from Serampore University, Kolkata, W.Bengal; Nagaland University, Nagaland; Hanso University, Seoul, South Korea; Sri Jagdisprasad Jhabarmal Tiberwala University, Rajasthan and Cambodia University, Cambodia.





डॉ. एस. सी. जमीर

डॉ. एस. सी. जमीर नागालैंड राज्य के संस्थापकों में से एक हैं। वह, 1960 में भारत के प्रधान मंत्री स्वर्गीय जवाहरलाल नेहरू और उनकी टीम के साथ उस सोलह सूत्री समझौते के एकमात्र जीवित हस्ताक्षरकर्ता हैं, जिसके आधार पर भारत संघ में नागालैंड राज्य का निर्माण हुआ था।

2. डॉ. जमीर का जन्म 17 अक्टूबर, 1931 को हुआ था। उन्होंने 1958 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से बीए और एलएलबी की दो डिग्रियाँ प्राप्त की। वह नागालैंड की 16 जनजातियों द्वारा शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए 1957 में गठित उस नागा पीपुल्स कन्वेंशन के संयुक्त सचिव थे जिसने सोलह सूत्री राजनीतिक ज्ञापन तैयार किया, जिसके आधार पर 1960 में बातचीत हुई थी।

3. डॉ. जमीर नागालैंड के अंतरिम निकाय के सदस्य थे और 1961 में भारतीय संसद में नागालैंड का प्रतिनिधित्व करने वाले पहले लोक सभा सदस्य चुने गए। वह पंडित जवाहरलाल नेहरू के संसदीय सचिव और श्रीमती इंदिरा गांधी के मंत्रिमंडल में उप मंत्री रहे। वह चार बार नागालैंड के मुख्यमंत्री रहे। वह भारत की एकता और अखंडता के प्रति पूरी तरह से अडिग रहे जिसकी वजह से भारत से अलग होने के लिए लड़ रहे नागा विद्रोहियों ने चार बार उनकी हत्या का प्रयास किया और अभी भी विद्रोहियों की एक गोली उनके शरीर में मौजूद है।

4. डॉ. जमीर गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात और ओडिशा के राज्यपाल रहे हैं। वह कई वर्षों तक कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य भी रहे। विभिन्न राज्यों के कुलाधिपति के रूप में, उन्होंने कुलपति की चयन प्रक्रिया में सुधार किया, जिससे कुलपति का चयन पारदर्शी हो गया और कुलपतियों की नियुक्ति पूरी तरह योग्यता के आधार की जाने लगी।

5. डॉ. जमीर को निजी संस्थानों और संगठनों से कई पुरस्कार मिले हैं। उन्हें श्रीरामपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल; नागालैंड विश्वविद्यालय, नागालैंड; हान्सो विश्वविद्यालय, सियोल, दक्षिण कोरिया; श्री जगदीशप्रसाद झाबरमल तिबरवाला विश्वविद्यालय, राजस्थान और कंबोडिया विश्वविद्यालय, कंबोडिया से मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई।